कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) कानपुर एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के संयुक्त तत्वधान में कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक कार्यशाला का आयोजन सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. ए.के. सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद के माननीय कुलपति डॉ. जे.एस. सन्धू, सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति डॉ. गया प्रसाद जी, कुलसचिव डॉ. वी.आर. सिंह, अर्थनियंत्रक श्री अवधनारायण सिंह , डॉ. एस.के. सचान निदेशक प्रसार उपस्थित थे। कार्यशाला में जोन-3 के अन्तर्गत समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष/वरिष्ठ वैज्ञानिक/प्रभारियों के साथ ही डॉ. आर.आर.वी. सिंह निदेशक, एन.डी.आर.आई. करनाल श्री मनोज कुमार संयुक्त निदेशक केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान मोदीपुरम मेरठ डॉ. के.के. सिंह अध्यक्ष आई.एम.डी. नई दिल्ली, डॉ. एस.एस. पवार, डॉ. ओ.पी. सिंह एवं पूर्व निदेशक प्रसार की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यशाला के आरम्भ में मा० कुलपति मेरठ ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। निदेशक प्रसार मेरठ ने मंच पर निदेशक अटारी डॉ. यू.एस.गौतम, तथा फैजाबाद कृषि विश्वविद्यालय के मा० कुलपति डॉ. जे.एस. सन्धू एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

निदेशक अटारी डॉ. यू.एस.गौतम ने मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली, कुलपति फैजाबाद , मेरठ, आई.सी.ए.आर. की विभिन्न संस्थाओं के निदेशक एवं वैज्ञानिकों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्षों आदि सभी का स्वागत करते हुए जोन-3 की वर्ष 2017-18 की प्रगति एवं

23-24 अगस्त 2018

उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण करते हुए विशेष उपलब्धि, राष्ट्रीय कृषि विकास योजनायें उ०प्र० शासन से 8 कृषि विज्ञान केन्द्रों को च.शे.आ.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय तथा 8 कृषि विज्ञान केन्द्र न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, फैजाबाद को प्रथम बार धनराशि कृषि विज्ञान केन्द्रों को अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार एवं प्रदर्शन इकाई स्थापित करने एवं कृषि उन्नयन हेतु उपलब्ध कराई गई, इससे इन केन्द्रों की गतिविधियों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। फसलों के अवशेष का जीवांश बढ़ाने में उचित उपयोग फार्मर फर्स्ट, बुन्देलखण्ड जैविक कोरीडोर, नारी, वाटिका, क्षमता जैसे महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारम्भ हुआ।

डॉ. गौतम ने जोन-3 के केवीके की ग्रेडिंग व्यवस्था पर आवाहन किया कि बी. ग्रेड के केवीके ए ग्रेड में आने का प्रयास करें। डाक्यूमेंटेशन पर विशेष बल दिया गया। जोन की प्रगति का प्रस्तुतीकरण विस्तार से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर निदेशक प्रसार निदेशक प्रसार फैजाबाद कानपुर, मेरठ, मथुरा ने विश्वविद्यालय परिक्षेत्र मे स्थापित केवीके की प्रस्तुती का प्रस्तुतीकरण किया तथा कठिनाईयों मे स्टाफ, कार्यालय भवन एवं वाहन बाउन्ड्रीवाल फण्ड अर्थनियंत्रक कार्यालय से आने वाले अवरोधों की जानकारी उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) के समक्ष व्यक्त की। फैजाबाद , मेरठ विश्वविद्यालय के केवीके अच्छे वातावरण मे अपने लक्ष्यों की पूर्ति में कुलपति एवं अर्थनियंत्रक के सहयोग में आगे बढ़ रहे है।

बाँदा विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार ने नए विश्वविद्यालयों की स्थापना, संशाधनों के अभाव तथा कम समय में केवीके की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया तथा और अधिक सहयोग विशेषकर वित्तीय सहयोग की अपेक्षा की। कानपुर के निदेशक प्रसार डॉ. धूम सिंह द्वारा प्रगति का प्रस्तुतीकरण तथा वित्त नियंत्रक के असहयोग का कारण प्रगति मे बड़ी बाधा बताई। निदेशक प्रसार फैजाबाद डॉ. ए.पी. राव ने नए केवीके के स्थापित होने पर उनकी स्थापना शीघ्र होने एवं गतिशील बनानें में शीघ्रता का भरोसा जताया। डॉ. एन.के. बाजपेई, निदेशक प्रसार, बाँदा विश्वविद्यालय ने अपूर्ण

23-24, अगस्त 2018

भवनों हेतु सहयोग मांगा तथा बाँदा विश्वविद्यालय के सीड हब को शीघ्र प्रारम्भ कराने की बात कही। डॉ. एस.के. सचान निदेशक प्रसार मेरठ ने 7 नए केवीके खोलने हेतु उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) को बधाई दी तथा बताया कि शत-प्रतिशत लक्ष्यों की पूर्ति हुई। डॉ. सर्वजीत यादव निदेशक प्रसार मथुरा ने पशुपालक सम्बन्धी प्रशिक्षण हेतु सभी केवीके के वैज्ञानिकों को आने का अवसर देने की बात कही तथा वित्तीय सहयोग के लिए उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) एवं निदेशक अटारी से भी मांग की।

डॉ. जे.एस. सन्धू कुलपति फैजाबाद ने अपने सम्बोधन में कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों की काम की सराहना करते हुए उन्हे पेंशन ग्रेड पे तथा पदोन्नति एवं वैज्ञानिकों को सम्मान तथा उत्साहवर्धन एवं विश्वविद्यालय स्टाफ की तरह सुविधायें दिये जाने की प्रबल संस्तुति की तथा आई.सी.ए.आर. अटारी तथा उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) द्वारा दिये गये सहयोग की सराहना की इसके अतिरिक्त उन्होनें बताया कि किस तरह शासन, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री द्वारा केवीके के प्रति विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा अपेक्षायें भी की जा रही है जिससे कि उनकी उपायदेता बढ़े।

अटारी कानपुर द्वारा 4 प्रकाशनों का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया तथा श्री विनोद सैनी, वर्मीकम्पोस्ट हेतु तथा श्री अजय द्वारा केला व सब्जी उत्पादन, मार्केटिंग तथा अजय कुमार खरदोनी बासमती उत्पादक को प्रगतिशील कृषकों के रूप मे सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. ओ.पी. सिंह पूर्व निदेशक प्रसार तथा डॉ. एल.वी. सिंह को प्राध्यापक पद पर केवीके से सीधे चयन एवं अच्छे कार्य हेतु सम्मानित किया गया। डॉ. रनवीर सिंह पूर्व निदेशक प्रसार को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. ए.के. सिंह ने अपने उद्धबोधन में कहा कि जोनल कार्यशाला में समस्यायें एवं समाधान दोनो पटल पर चर्चा होती है उन्हे जल्दी ही ग्रेडिंग के साथ रैकिंग प्रणाली लागू हो जो 700 केवीके मे किस केवीके का प्रगति मे कौन सा स्थान है, इससे कार्य मे गति आयेगी।

23-24 अगस्त 2018

केवीके की मॉनिटिरिंग सूक्ष्म रूप से की जा रही है, समय बदल रहा है अतः कार्य को अच्छे तथा उन्नत ढंग से करना ही होगा, तकनीकी हस्तांतरण की गति बढ़ानी होगी, केवीके को व्यवसायपरक बनाने को प्रोत्साहित करना है जिससे कि संसाधनो का निर्माण हो सके। प्रक्षेत्रों की आय दुगनी हो तभी किसानों की आय दुगनी होगी। सम्पदा परियोजना, निकरा इजराइली मॉडल, पानी की बचत, अधिक उत्पादन पर फोकस करना है। नेट हाउस संरक्षित खेती तथा कन्वर्जन ऑफ फन्ड से अन्य विभागों का बजट भी केवीके के माध्यम से परियोजनाओं को बढ़ाया जायेगा। फसल अवशेष को खेती मे उपयोग हेतु मशीन का क्रय सितम्बर में ही हो तभी धान गेहूँ के नीच अवशेष का उपयोग भूमि मे हो पायेगा ऐसी योजनी बनायी जाय। सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी को हर गाँव तक फैलाना तथा इसके लिए द्विमार्गीय तरीके के सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी पर काम चल रहा है। उन्होने उपमहानिदेशक के स्तरों पर समस्यायों के समाधान का आश्वासन दिया। पेंशन ग्रेड पे इत्यादि समस्याओं पर उन्हे निस्तारण का माध्यान है। उन्होनें अन्त में सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मा० कुलपित मेरठ ने उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) का हर प्रकार से उल्लेखनीय योगदान हेतु धन्यवाद दिया। उन्होनें कहा कि केवीके के वैज्ञानिक कठिन परिस्थितियों मे भी बहुत अच्छा काम कर रहे है। उन्होने केवीके के वैज्ञानिकों को पदोन्नति की समस्या का समाधान किया। उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) तथा निदेशक अटारी से पूर्ण सहयोग मिल रहा है। केवीके अपनी अपेक्षा के अनुरूप काम करते हुए किसानों तक पहुँच बनाये हुए है। सुदूर अंचलों में स्थापित केवीके बिजली पानी, सड़क आदि के समस्यायों के बावजूद भी कठिन चुनौतियों मे अच्छे परिणाम दे रहे है। इसके पश्चात उन्होने सभी अतिथियों, आगन्तुकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र के अन्त में निदेशक प्रसार डॉ. एस.के. सचान ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

23-24 अगस्त 2018

उपस्थिति-

डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृ.प्र.) आई.ए.आर.आई. नई दिल्ली
डॉ. गया प्रसाद, मा० कुलपति मेरठ
डॉ. जे.एस. सन्धू, मा०कुलपति, फैजाबाद
डॉ. यू. एस. गौतम, निदेशक, अटारी कानपुर
डॉ. अवध नारायण सिंह, वित्त नियंत्रक, मेरठ
डॉ. वी.आर. सिंह, कुलसचिव मेरठ
डॉ. ए.एस. पवार, निदेशक, आई.आई.एफ.एस.आर, मोदीपुरम मेरठ
डॉ. मनोज कुमार, संयुक्त निदेशक, आलू अनुसंधान केन्द्र
डॉ. आर.आर.वी. सिंह, निदेशक, एन.डी.आर.आई. करनाल
डॉ. के.के.सिंह, अध्यक्ष, आई.एम.डी. दिल्ली
डॉ. ओ.पी. सिंह, पूर्व निदेशक प्रसार, मेरठ
डॉ. ए.पी. राव, निदेशक प्रसार, फैजाबाद
डॉ. धूम सिंह, निदेशक प्रसार, कानपुर
डॉ. एन. के बाजपेई, निदेशक प्रसार, बाँदा
डॉ. एस.के. सचान, निदेशक प्रसार, मेरठ
डॉ. सर्वजीत यादव, निदेशक प्रसार, मथुरा
भाकृअनुप - अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिकों तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष/ वरिष्ठ वैज्ञानिकों/ प्रभारी अधिकारी, मेरठ कृषि विश्वविद्यालयों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं अन्य सभी सहयोगी बन्धुओं, प्रेस मीडिया।

23-24 अगस्त 2018